म.प्र. जन अभियान परिषद्

(योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, म.प्र. शासन)
राजीव गांधी भवन खण्ड 2, 35 श्यामला हिल्स भोपाल, 0755–2660203 फैक्स : 0755–2660250

क्रं.500/ज.अ.प./टी.एम./एन.जी.ओ/15 भोपाल, दिनांक 10 /04/15

प्रति,

संभाग समन्वयक (समस्त)
जिला समन्वयक(समस्त)
म.प्र. जन अभियान परिषद्

विषयः- विकासखण्ड स्तर पर संरक्षण एवं पुनर्जीवन हेतु चयनित नदी पर कार्य करने के सम्बन्ध में।

मान. मुख्यमंत्री जी एवं अध्यक्ष् जन अभियान परिषद् द्वारा जन अभियान परिषद् से संबंद्ध स्वैच्छिक संगठनों के माध्यम से प्रदेश की नदियों के संरक्षण व पुर्नजीवन के निर्देश अगस्त 2014 में प्राप्त हुए थे। निर्देशों के पालन में नदी संरक्षण एवं पुनर्जीवन हेतु निम्नानुसार कार्यवाही की जा चुकी है-

- प्रत्येक विकासखण्ड स्तर पर 313 (4 किमी से 40 किमी तक की) छोटी नदियों का चयन किया जा चुकी है।
- चयनित नदियों के संबंध में प्रारंभिक जानकारी एकत्र करने के संबंध में सर्वे किया जा चुका है।
- विकासखण्ड स्तर पर चयनित नदियों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन के कार्य के लिये स्वैच्छिक संगठनों, समाज एवं अन्य स्टेक होल्डर्स की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु रणनीति निर्धारण करने के लिये प्रत्येक जिले में एक दिवसीय कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जा चुका है।
- नदियों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन की विधियों एवं समाज को जोड़कर यह कार्य कैसे संभव हो सकता है, इस संबंध में परिषद् के कार्यकर्ताओं की तरूण भारत संघ जिला अलवर (राजस्थान), हिन्द स्वराज ट्रस्ट रालेगांव सिद्धी व पाणलोट विकास ट्रस्ट, हिवरे बाजार अहमदनगर (महाराष्ट्र), प्रियदशर्नी जल संधारण संस्था, सिरपुर जिला धूले (महाराष्ट्र) एवं नर्मदा समग्र मध्यप्रदेश में क्रमशः मेग्सेसे अवार्ड से सम्मानित प्रख्यात पर्यावरण विद् श्री राजेन्द्र सिंह, श्री अन्ना हजारे जी, श्री पोपटरांव पंवार, श्री सुरेश खानापुरकर एवं श्री अनिल माधव दवे के नेतृत्व में, नदी के पुर्नजीवन, जल संधारण एवं सरंक्षण की दिशा में किये गये धरातल पर तथा नर्मदा नदी के जागरूकता के संबंध में किये गये कार्यों का अध्ययन भ्रमण कराया जा चुका है।

उपरोक्तानुसार अध्ययन भ्रमण के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर, नदी के संरक्षण एवं पुनर्जीवन हेतु जिलास्तर पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में निर्धारित कार्ययोजना का क्रियान्वयन माह अप्रैल से जून 2015 के मध्य स्वयंसेवी संगठनो के माध्यम से कराया जाना सुनिश्चित करें। राज्य कार्यालय द्वारा उक्त कार्य की प्रगति की समीक्षा समय समय पर बैठकों एवं अन्य माध्यमों से की जावेगी तथा आज के उपरांत किसी भी समय मान. मुख्यमंत्री जी एवं अध्यक्ष् जन अभियान परिषद् द्वारा वीडीयो कान्फ्रेस के माध्यम से विकास खण्ड समन्वयक, जिला समन्वयक तथा संभाग समन्वयक से सीधे संवाद कर इस दिशा में किये गये कार्य की प्रगति की जानकारी ले सकते हैं।

(उमेश शर्मा)
कार्यपालक निदेशक